





'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' के लिए सम्मान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 20वाँ वर्ल्ड पीस कांग्रेस, नई दिल्ली



डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया।



गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर

वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व विरष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपित को यह पुरस्कार प्रदान किया गया.

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपित के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है. बी. डब्ब्यू. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सिम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं. एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं. वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादिमक संस्थाओं की सिमितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सिम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मिनर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है।

इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिन्हित किया जाना चाहिए. उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंनें आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर में शांति शिक्षा के पाठ्यक्रम प्रारंभ कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार हेतु बधाई दी।

_____//____

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित



दै. जनचिंगारी

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया।

गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व विरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्क डेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपित को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में क्शलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है. बी. डब्ल्यू. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं. एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं. वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है।

वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति गुप्ता महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हुआ। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियरंजन त्रिवेदी द्वारा यह पुरस्कार दिया गया। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्ध संस्था है। साथ ही युनीसेफ एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है। विश्व भर में 150 शाखाएं कार्यरत हैं।

कुलपित ने कहा महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की



सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिह्नित किया जाना चाहिए। उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर में शांति शिक्षा के पाठयक्रम शुरू कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी ताकि आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित अतिथियों ने प्रो. गुप्ता द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार के लिए बधाई दी।

कुलपति 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित



आचरण संवाददाता

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) द्वारा 'मिहला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। जो वर्ष 1969 में स्थापित हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपित को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

कुलगुरु महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ एजुकेटर्स फार वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया गया।

गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ एजुकेटर्स फार वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से



कुलगुरु प्रो , नीलिमा गुप्ता को सम्मानित किया गया। 🛭 नवदुनिया

संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व

महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डा. मार्कंडेय राय व यूनाइटेड नेशंस एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डा. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपित को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

चार विवि में रह चुकी हैं कुलगुरु: ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात चार विश्वविद्यालयों में कुलगुरु के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है। बीडब्ल्यू एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलत किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय व अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं। एनीमल टैक्सोनामी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

सागर

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर।डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्टीय एसोसिएशन का उद्देश्य परी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं युनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. माकंर्डेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान



ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतुत्वकर्ता के रूप में विख्यात जिन्होंने विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है। बी. डब्ल्यू. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी

सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं। एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं। वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादिमक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, युके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय

स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला संशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दशार्ता है। इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिन्हित किया जा चाहिए. उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंनें आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि. सागर में शांति शिक्षा के पाठयक्रम प्रारंभ कर यवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के।

विविः २० वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

सगर। र्ज. इरोसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रे. नीलिया गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एकुर्फेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा 'महिला शांत शिक्षा में नेतृता' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मन कार्यक्रम नई दिली के ईडिया ईटरनेशनल सेन्छ में आयोजित किया गया।

पैसालब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राप्रेय एसोसिएपन का उद्देश पूरी पृथ्वी पर शांति विश्वा को प्रोत्साहित करना है जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के अधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त ह्या संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ती शति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र क्यूगरेश मित्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवइजर डॉ. पुरस्कार प्रदन किया गया।



अस्पक्ष हो, विवारंगन विनेदो द्वार कुलबरि को यह विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी निवारियालयों में गया है। थी, डब्ल्यू प्रकुतेजन संब्र्या हर उनका नाम पर उन्होंने उत्तेवजीय कार्य किया है। आधारियार हिस्सा पुरस्कार हेतु क्याई दी।

में सम्मितित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, महिला सप्तक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदन रजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया - उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है। गया है जिनमें से 14 पहिला पसकार है। एनीमल इस अवसर पर उन्होंने अपने वस्तव्य में कहा कि टैक्सोनोपी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिश्चित ई. के. जनकी - महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए अप्पल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्पान, विज्ञान कार्यस्थल पर पहिलाओं की सुरक्षा क्षमतायुक्त सा-बजकीय पुरस्कार भी मिले है वे मुजीसी, डीएसदे, एआईयु, नैध, सीएसदी, यूपी-सीएआर, नेपा. सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादिंगक संस्थाओं की सर्पितची में चेवरपैन/सदस्य हैं। वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, पूर्क, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, उन्होंने आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विविद तदयस, मिश्र, जन्नान, चीन, सिंगपुर, बादलैंड, फोस, भूरान, श्रीलंका, तोकांग आदि देशों का प्रमण कर चुकी है। यह अंतर्राष्ट्रिय स्तर की शोधकर्ता है जिन्हें स्टेन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 अति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसा भूताति के रूप में कुलतापूर्वक नेतृत्व किया है। प्रतितत सर्वेच्य वैज्ञानिकों में सम्मितित किया गया। समाज बनाने में समात हो सके। समोतन में जानकोष (युनीसक) एवं पुनेको से ची सम्बद्ध है मक हैंच वच तथा बुनाईट जेतना एफीलिएटेड जातक है कि प्रो. जीतिम पुना का नाम तिला जात चाल सरकार प्राय उन्हें मध्य प्रदेश की पहले महिला है। जातर प्रीच तथा अंतर्वीच परिचोजनाओं की जात्मिन सभी अंतिपायों ने प्रो. जीतिम पुना के प्राय एमं विश्व परके विभिन्न देखें में इसकी 150 खाळाएं 🙎 इंटरेक्टनल एसेसिस्ट्रन ऑक बर्नुह पीस के में देख की प्रतिक्षित पहिला नेतृत्वकर्ता के रूप में कर्नन कमाँडेंट पद से विश्वीत कर सम्मानित किया प्रयान अन्तेतक, गंग प्रदूच्य तथा जीन वर्गीकरण किए गए कार्यों की सराहन की तथा महिल्ल खाँति

नेतृत्व वाली महिलाओं को चिनिहत किया जा चाहिए। उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर स्थानता एवं सामाजिक नवय को पोलबादित कर महिला शर्ति शिक्षा नेतृत्व को बदाया जा सकता है। सगर में शति त्रिक्षा के पाठ्यक्रम प्रारंभ कर युवाओं को शांति विश्वा के लिए पेरित करेंगी, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में

२०वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज 🕪 सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय. सागर की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना



है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी

कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (युनीसेफ) एवं युनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा,

पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्व कर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभिषत कर सम्मानित किया गया है।



सविचार

अपने सपनों पर विश्वास करो और उन्हें पूरा करने के लिए हर दिन मेहनत करो।

यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया

विश्वविद्यालयः २० वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

हाँ. हरीसिंह गीर विश्वविद्यालय, सागर की ब्रुलपित प्रो. नीतिमा गुता को इन्टरनेशनल सिएशन औष एजुकेटर्स फॉर बर्ल्ड पीस (IAEWP) प्रग 'महिला साति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गैरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन औष एज्केटर्स चौर वर्त्द्र पीस (ड्राब्द्वक) संपुक्त राष्ट्र संप से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएतन का पुरस्कार प्रदान किया गया। उदेश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को पोस्तरित करना है, जिसकी पताने बैतक वर्ष 1970 में नार्षे में हुई थी। इसकी

संयक्त तरह संय से संबद्धता प्राप्त वर्ड औ तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अप्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्धहै एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कापंता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडावड्रजर डॉ. मकडेप राप तथा युनाइटेड नेशना प्रयोगियटेड इंटरनेशनल एस्रोसिएशन औष बार्नुड पीस के अध्यक्ष र्ड. प्रियारंजन क्रिकेटी द्वारा कुलचति को यह

इतन्य है कि प्रे. नीतिया पुता का नाम विश्वा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विरुवत है जिन्होंने



के रूप में बुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। पहली महिला कर्नल कमंद्रिट पद से लेकप्रियत के आधार पर वर्ष 1973 में चार साकारी विश्वविद्यालयें में कुलवीत चारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की विश्ववित कर सम्मानित किया गया है. मी. शिवपूर, बाहरीद, प्रांस, पूटान, बीलंका,

तिश्रा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उनें 80 से ज्वाद राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है त्नमें से 14 महिला पुरस्कार हैं। एनीमल टैबनोनीचे के क्षेत्र में उन्हें प्रतिप्रत है, के जानको अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रान-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं। वे चूलीसी, डीएसटी, एआईप्, नैक, सीएसटी, पूर्व-सीएआर, नीप, सोईसी जैसे राष्ट्रीय अकादीयक समितियों में चेयरपैर/सदस्य हैं. वे विश्व के चीच द्वीचें जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आर्ट्रेलिय, ताइवान, मिश्र, शायन, चीन,

हैं। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता है जिन्हें स्टैन्फोर्ड विस्वविद्यालय द्वारा विस्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्य वैज्ञानिकों में सम्मितित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेतक, गंग प्रदूषण तथा जीव वर्गकरण पर उन्तेने उल्लेखनीय कार्य किय है।

आत्पनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सर्शक्तकरण, आरि परसुओं पर योगदान उनका सम्बन के प्रति लगाव को दर्शन है। इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव में कहा कि महिलाओं में शांति शिशा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त वर्धाई दी।

नेतृत्व वाली महिलाओं को चिनित किया जा चाहिए, उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानत एवं सामाजिक न्याय को प्रोतसहित कर महिला शाँति तिथा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंनें आत्वासन दिया कि वे डॉ. हरोसिंह गौर चिचि, सागर में शांति तिथा के पात्पक्रम प्रारंभ कर गुणाओं को शाँति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे जाने वाली चुवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर बिरुव में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिया नुषा के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना को तथा महिला शाँत शिक्षा पुरस्कार हेतु

विश्वविद्यालय: 20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित*



नवसिन्धु समाचार | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया.

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं. एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं. वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान आहि महिला सशक्तिकरण परंपरा. पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है।

इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिन्हित किया जा चाहिए. उन्हें बेहतर नेतत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंनें आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर में शांति शिक्षा के पाठ्यक्रम प्रारंभ कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार हेतु बधाई दी।

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

सागर । डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा 'मिहला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया।गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है।



जानी-मानी शिक्षाविद प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिला प्रतिष्ठित लीडरशिप अवार्ड

नई दिल्ली, (वीअ)। देश की जानी मानी शिक्षाविद और डॉ. हिर सिंह गौड यूनिवर्सिटी, सागर को कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता को प्रतिष्ठित शिक्षा में लीडरशिप अवार्ड दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र के साथ संबंधित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस की कमेटी ने

शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को अवार्ड के लिए चुना था।

इस मौके पर कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के लिए बहुत मौके होने के साथ साथ प्राकृतिक तौर पर महिलाओं को जो बच्चों को शिक्षित करने का दायित्व उन्हें मिला हुआ है, उसमें युवा महिलाओं को आगे आना चाहिए। ताकि इस क्षेत्र को और बेहतर किया जा सके। प्रो. नीलिमा गुप्ता डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय से पहले कानपुर और भागलपुर विश्वविद्यालयों



में भी कुलपति रह चुकी हैं।

नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में तीन दिन के इस कार्यक्रम में प्रो. नीलिमा के साथ राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर की डॉ. उषा नायर को भी पुरस्कृत किया गया। इस बारे में भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ के अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वशांति प्रबोधक महासंघ (भारत) के चेयरमैन डॉ. प्रियरंजन त्रिवेदी ने कहा कि हमने देश में करीब 1400 विश्वविद्यालयों में से 250 से अधिक शिक्षकों में से चुनिंदा शिक्षाविदों को पुरस्कार दिए गए हैं।

नीलिमा गुप्ता को दिया गया लीडरशिप अवॉर्ड



■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: देश की जानी-मानी शिक्षाविद और डॉ. हिर सिंह गौर यूनिवर्सिटी, सागर की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित लीडरिशप अवॉर्ड दिया गया। संयुक्त राष्ट्र से संबंधित इंटरनैशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस की किमटी ने शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को इस अवॉर्ड के लिए चुना था। इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रो. नीलिमा गुप्ता के अलावा राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर की डॉ. उषा नायर को भी पुरस्कृत किया गया।

नीलिमा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के लिए बहुत मौके हैं। साथ ही उन्हें प्राकृतिक तौर पर भी बच्चों को शिक्षित करने का दायित्व मिला हुआ है। भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय विश्व शांति प्रबोधक महासंघ के चेयरमैन डॉ. प्रियरंजन त्रिवेदी ने कहा कि करीब 1400 विश्वविद्यालयों से कुछ चुनिंदा शिक्षाविदों को पुरस्कार दिए गए हैं।



कुलपति महिला शांति शिक्षा नेतृत्व से पुरस्कृत

सागर . डॉ . हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो . नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुर्केटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्वपुरस्कार से सम्मानित किया गया . यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया . संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, डॉ . मार्कंडेय राय डॉ . प्रियारंजन त्रिवेर्दी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया .

देशबन्ध

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी





एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार हेतु बधाई दी।

Social Media Links-

http://khabar1minit.blogspot.com/2025/01/blog-post 1.html

https://www.swadeshnews.in/newdelhi/renowned-educationist-prof-neelima-guptareceived-the-prestigious-leadership-award-936930

https://www.etvbharat.com/hi/!bharat/sagar-central-university-vice-chancellor-neelimagupta-honored-women-peace-education-leadership-award-hindi-news-mpn25010203439 https://www.newsharpal.in/renowned-educationist-prof-neelima-gupta-received-theprestigious-leadership-award/









🜀 SagarUniversity 🔰 DoctorGour 🚹 Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)